Dattopant Thengadi

Dattopant Thengadi was born on 10th November, 1920 on the day of Diwali in Arvi Nagar, Wardha district, Maharashtra. His full name was Dattatreya Bapurao Thengadi but he became famous by the name of Dattopant. His father Bapurao Dajiba Thengadi was an eminent advocate. Dattopant Thengadi had his early education in Arvi Nagar.

In the year 1931-32, while the freedom movement was going on under the leadership of Mahatma Gandhi, Dattopant Thengadi was a student of class VI & VII and at this early age, he had started sharing his organizing skills. He had formed the Vanar Sena, Jhuggi Jhopdi Mandal and the Arvi Vidyarthi Sangh and participated in the movement.

Dattopant took advanced education in Nagpur and after earning the LL.B. degree, he decided to be a pracharak of the Rashtriya Swayam Sevak Sangh and remained engaged in social service for his lifetime. After serving as a Pracharak in Kerala from 1942 to 1944 and then in Bengal till 1948, he came back to Nagpur where he was instrumental in the establishment of the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad in 1949. He was the Sagathan Mantri of Bharatiya Jana Sangh of Madhya Pradesh in 1951-53 and Dakshinanchal in 1956-57. He served as the Sangathan Mantri of Madhya Pradesh INTUC Labour Union in 1950-51 which enriched his experience of the labour sector.

Bharatiya Mazdoor Sangh was founded by him on 23rd July, 1955. The aim of its establishment was to set up a labour organization that would work in the interest of the nation, industry and workers on the principle 'of the workers, by the workers and for the workers'. The organization is considered as the largest labour organization in the country today.

Dattopant Thengadi was an organizer and philosopher. He was a litterateur and accomplished author who wrote more than one hundred books and prologues of books. His book 'Sanket Rekha' and 'Third Way' (third option) books were discussed all over the world. He used to deliver meaningful lectures on literature, culture, history, science, politics, contemporary global activities, economic and social subjects. He had a keen grasp of Marathi, Hindi, Malayalam, Bengali, Gujarati, Kannada and English languages.

He established 'Bharatiya Kisan Sangh' on 4th March, 1979. He also established 'Swadeshi Jagran Manch', 'Samajik Samrasta Manch' and 'Sarvapanth Samadar Manch' on 22nd November, 1991, 14th April, 1983 and 14th April, 1991 respectively. He played a crucial role in the establishment of the Environment Forum and organizations such as All India Advocates Council, Sahkar Bharti, Pragya Bharti and All India Consumer Panchayat.

He served as a Member of Parliament (Rajya Sabha) from 1964 to 1976. He breathed his last on 14th October, 2004 at Pune.

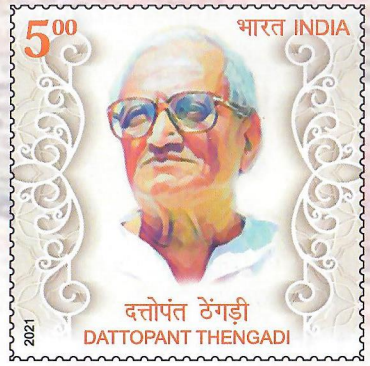
Department of Posts is honoured to issue a Commemorative Postage Stamp on Dattopant Thengadi.

Credits:

Stamp/ FDC/ Brochure/ Cancellation Cachet	: Ms. Gulistaan
Text	: Based on information received from the proponent

भारतीय डाक
India Post

डाक विभाग
Department of Posts



दत्तोपंत ठेंगड़ी
DATTOPANT THENGADI

विवरणिका BROCHURE

दत्तोपंत ठेंगड़ी

श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी का जन्म 10 नवंबर, 1920 को दीपावली के दिन महाराष्ट्र के वर्धा जिले में स्थित आर्वी नगर में हुआ। उनका पूरा नाम दत्तात्रेय बापूराव ठेंगड़ी था, परंतु वे दत्तोपंत के नाम से प्रसिद्ध हुए। उनके पिता, बापूराव दाजीबा ठेंगड़ी एक प्रसिद्ध अधिवक्ता थे। श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा आर्वी नगर में प्राप्त की।

वर्ष 1931–32 में जब महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था, उस समय दत्तोपंत ठेंगड़ी मिडिल स्कूल में थे। श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी और उनके साथियों ने वानर सेना, झुग्गी–झोंपड़ी मंडल और आर्वी विद्यार्थी संघ की स्थापना कर स्वतंत्रता आंदोलन में सहयोग किया।

श्री दत्तोपंत ने अपनी उच्च शिक्षा नागपुर में पूरी की और एल.एल.बी की डिग्री लेने के पश्चात् उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का प्रचारक बनने का निर्णय लिया। वे आजीवन समाज सेवा के कार्यों से जुड़े रहे। वर्ष 1942 से 1944 तक केरल में और तत्पश्चात् 1948 तक बंगाल में प्रचारक के रूप में कार्य करने के पश्चात् वे नागपुर वापस आ गए, जहां उन्होंने वर्ष 1949 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना में सहयोग किया। उन्होंने वर्ष 1951–53 के दौरान मध्य प्रदेश में और 1956–57 के दौरान दक्षिणांचल में भारतीय जनसंघ के संगठन मंत्री के रूप में कार्य किया। श्री दत्तोपंत ने श्रमिक क्षेत्र में अनुभव अर्जित करने के उद्देश्य से वर्ष 1950–51 में मध्य प्रदेश इंटक श्रमिक संगठन के संगठन मंत्री का पदभार भी संभाला।

श्री दत्तोपंत ने 23 जुलाई, 1955 को भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की। इस संघ की स्थापना का उद्देश्य, श्रमिक वर्ग के लिए एक ऐसे मजदूर संगठन की स्थापना करना था, जो राष्ट्र, उद्योग और मजदूरों के हित में 'मजदूरों का, मजदूरों के द्वारा, मजदूरों के लिए' के सिद्धांत पर कार्य करे। यह संघ, आज देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है।

श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी एक संयोजक एवं दार्शनिक थे। वे एक साहित्यकार भी थे और उन्होंने 100 से भी अधिक पुस्तकें एवं पुस्तकों की प्रस्तावनाएं लिखीं। उनकी पुस्तकें 'संकेत रेखा' और 'थर्डवे' (तृतीय विकल्प) विश्व भर में चर्चित रहीं। श्री दत्तोपंत ने साहित्य, संस्कृति, इतिहास, विज्ञान, राजनीति, समकालीन वैश्विक गतिविधियों, आर्थिक एवं सामाजिक विषयों पर अनेक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए। मराठी, हिंदी, मलयालम, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं पर उनकी मजबूत पकड़ थी।

4 मार्च, 1979 को उन्होंने 'भारतीय किसान संघ' और 'स्वदेशी जागरण मंच' की स्थापना की। इसके बाद, 14 अप्रैल 1983 और 14 अप्रैल 1991 को उनके द्वारा क्रमशः 'सामाजिक समरसता मंच' और 'सर्वपंथ समादर मंच' की भी स्थापना की गई। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पर्यावरण मंच के साथ–साथ अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद, सहकार भारती, प्रज्ञा भारती और अखिल भारतीय उपभोक्ता पंचायत की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी, वर्ष 1964–76 के दौरान राज्य सभा के सदस्य भी रहे। 14 अक्तूबर, 2004 को पुणे में उनका निधन हो गया।

डाक विभाग, श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है।

आभार:

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे : सुश्री गुलिस्तां

पाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	:	201600
Stamps Printed	:	201600
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00